

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख के साथ 3
---	-------------------------------------	--

न्यायालय- अनुमंडल दण्डाधिकारी, अरवल।

वाद् सं- 516/11. धारा-145 दंड प्रौ सं 122/12.

अशोक कुमार बनाम् ऋषीमुनी सिंह वगैरह

= आदेश =

24/1/12.

प्रथम पक्ष को सूना। यह कार्यवाही प्रथम पक्ष द्वारा दाखिल आवेदन के आधार पर प्रारम्भ किया गया है।

प्रथम पक्ष का कहना है कि प्रश्नगत खाता- 47, प्लॉट नं०-328, रक्वा-4 डी० जमीन प्रथम पक्ष के पिता-स्व० नाथून सिंह के नाम से चकबन्दी के द्वारा प्राप्त है। जो 80 वर्षों से पूर्व से मकान बना कर रह रहे है। लेकिन विपक्षीयण जबरदस्ती ईट के पक्का मकान बनाने में व्यवधान उत्पन्न कर रहे है।

द्वितीय पक्ष न्यायालय में उपस्थित तो हुए लेकिन अपने कागजी सबूत के रूप में कोई प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाये है।

प्रथम पक्ष के तरफ से तीन साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। प्रथम गवाह कमाख्या सिंह अपने परीक्षण में कहते है कि डिमाण्ड प्रथम पक्ष के

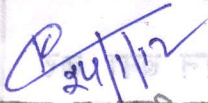
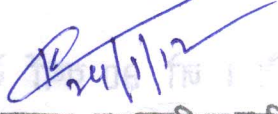
दिनांक 20/3/12
निर्णय किया गया।

आदेश की क्रम-संख्या और तारीख 1	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2	आदेश पर की गई करवाई के बारे में टिप्पणी ,तारीख के साथ 3
---	-------------------------------------	--

=2=

पिता के नाम से कायम है । एवं प्रथम पक्ष $5\frac{1}{2}$ फीट
 रास्ता छोड़े हुए है । दूसरा गवाह अशोक कुमार अपने
 परीक्षण में बताते है कि एवं दोनों पक्ष में दरवाजा
 बन्द करने को लेकर तनाव है । एवं तीसरे गवाह
 जितेन्द्र कुमार है जिन्होंने चकबन्दी द्वारा निर्गत पचास
 को बताते है कि 04 डी0 भूमि नाथुन सिंह, अशोक सिंह
 के बाबुजी के नाम से है । लेकिन चकबन्दी कागजात में
 स्पष्ट उल्लेखित नहीं है कि नाथुन सिंह का प्लॉट कौन
 सा है । ऐसी स्थिति में वाद की कार्यवाही समाप्त
 कि जाती है ।

लेखापत एवं संशोधित,



 कार्यपालक दण्डाधिकारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी,
 अरवल । अरवल ।